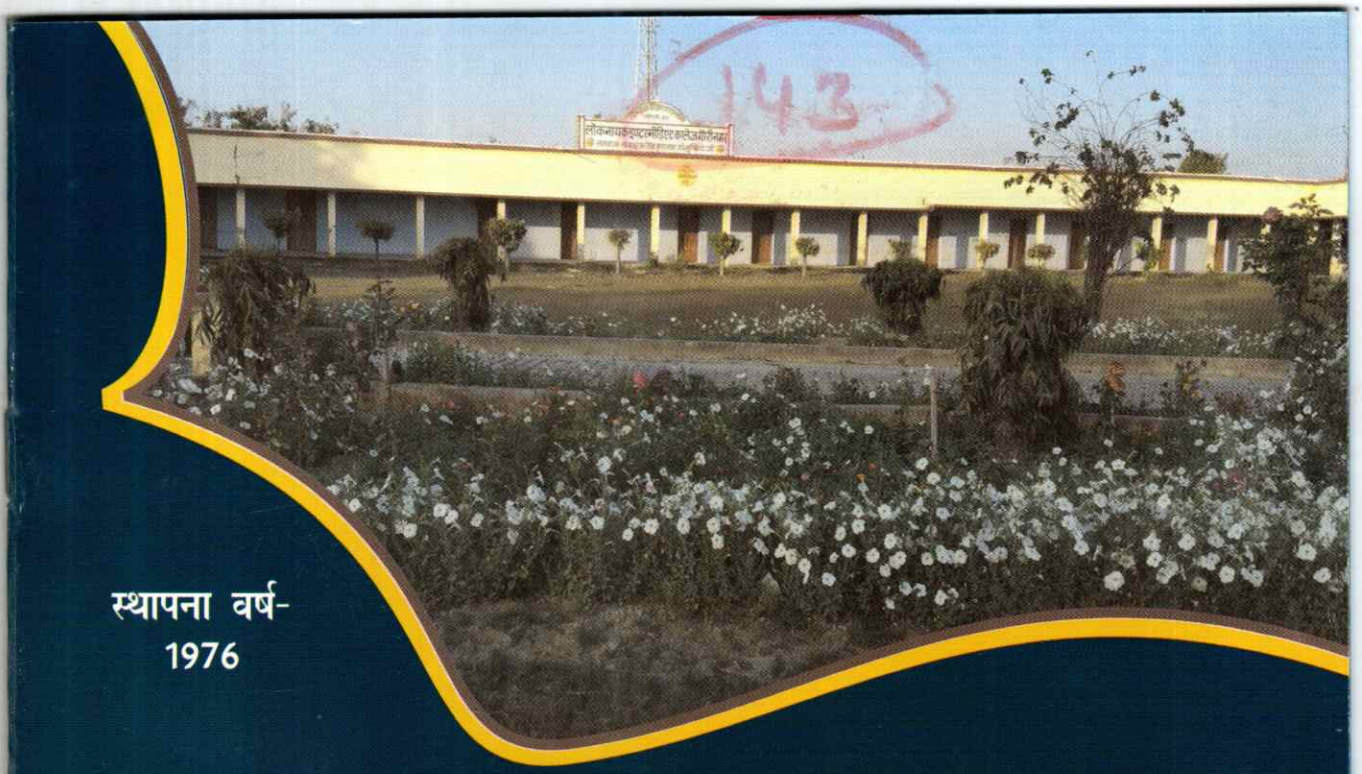

स्थापना वर्ष-
1976

लोकनायक शिक्षा संस्थान समिति

गौरीनगर, सेवरही (कुशीनगर)

(U.P. Board - NCERT Pattern)

कार्यालय सम्पर्क सूत्र : 9452131654, 9936379097

कला, विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग में
शिक्षण का आदर्श केन्द्र

विवरणिका

सरस्वती वन्दना

हे हंस वाहिनी ज्ञान दायिनी
अम्ब विमल मति दे, अम्ब विमल मति दे ...
जग सिर मौर बनाएँ भारत
वह बल विक्रम दे, अम्ब विमल मति दे ...

साहस शील हृदय में भर दे,
जीवन त्याग तपोमय कर दे
संयम सत्य स्नेह का वर दे, स्वाभिमान भर दे
हे हंस वाहिनी ज्ञान दायिनी
अम्ब विमल मति दे, अम्ब विमल मति दे ...

लव कुश, ध्रुव प्रहलाद बने,
हम मानवता का त्राश हरे हम,
सीता सावित्री दुर्गा माँ फिर घर-घर भर दे
हे हंस वाहिनी ज्ञान दायिनी,
अम्ब विमल मति दे, अम्ब विमल मति दे ...

लोकनायक शिक्षा संस्थान समिति

गौरीनगर, सेवरही (कुशीनगर)

"विद्या ददाति विनयम्"

संस्थापक-

स्व. बाबूराम कुशवाहा

"मुखिया जी"

संस्कार एवं शालीनता परिवार से ही शुरू होती है।

विवरणिका

प्रबन्धक-

महेन्द्र प्रताप कुशवाहा

मो.- 9415826482

प्रधानाचार्य-

भुआल प्रसाद कुशवाहा

मो.- 9450232910

मुख्य नियंत्रक- डा. अजय कुमार कुशवाहा

मो.- 9956904181

विद्यालय प्रार्थना

दया कर दान विद्या का, हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।।
हमारे ध्यान में आओं, प्रभु आँखों मे बस जाओं।
अंधेरे दिल में आ करके परम ज्योति जला देना।।
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों मे प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिलजुलकर प्रभु रहना सिखा देना।।
हमारा कर्म हो सवा, हमारा धर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा यही तु भावना देना।।
वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना।
वतन पे जाँ फिदा करना प्रभु हमको सिखा देना।।
दया कर दान विद्या का, हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।।

राष्ट्र-गान

रविन्द्र नाथ टैगोर
(राष्ट्र गान के रचयिता)

जन गण मन अधिनायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता !
पंजाब, सिन्धु, गुजरात, मराठा,
द्राविण, उत्कल, बंग !
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा,
उच्छल जलधि तरंग !
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे !
गाहे तव जय गाथा !
जन गण मंगल दायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता !
जय हे, जय हे, जय हे !
जय, जय, जय, जय हे !

रचयिता- बंकिम चन्द्र चटर्जी

राष्ट्र गीत

वंदे मातरम्, वंदे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
शस्यश्यामलाम्, मातरम्।
वंदे मातरम्।
शुभ्रज्योत्सनाम् पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम्, मातरम्।
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्।।

प्रबन्धन

पूर्व संस्थापक
स्व. कृपाशंकर आर्य
(पूर्व गन्ना राज्य मंत्री, उ.प्र. सरकार)

पूर्व अध्यक्ष
डा. प्रभुनाथ आर्य
(पूर्व मेडिकल आफिसर)

अध्यक्ष
श्री पंकज आर्य
(समाजसेवी)

प्रबन्धक
श्री महेन्द्र प्रताप कुशवाहा
(एम.एस.सी., एल.टी.)

प्रधानाचार्य
श्री भुआल प्रसाद कुशवाहा
(एम.ए., बी.एस.सी., बी.एड.)

मुख्य नियंत्रक
डा. अजय कुमार कुशवाहा
(एम.काम., एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.)

लोकनायक शिक्षण संस्थान

आजादी के दो-ढाई दशक के बाद भी क्षेत्र के शिक्षा जगत का अपेक्षित प्रसार नही हो पाया। क्षेत्र की व्यापकता और आबादी के अनुरूप विद्यालयों की कमी सर्दव खटकती रहती थी। वर्षो तक पिछड़े तहसील से सम्बोधित होता रहा, यह परिक्षेत्र वस्तुतः काफी गरीब और पिछड़ा रहा है। समय के साथ कुछ ऐसे लोग भी हुए जिन्हें इस बात का ज्ञान हुआ और शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए कमर कस लिए, सम्बल था ....

कौन कहता है, आकाश में सुराग नही हो सकता ?
एक पत्थर तो तबीयत से उछालों यारों ।

इन लोगों में प्रमुख थे स्व. बाबूराम कुशवाहा मुखिया जी। प्रेरणा, मार्गदर्शन एवं सहयोग था। पूज्यवर मनीषी स्मृतिशेष पं. सुदामा शुक्ल जी एवं तत्कालीन क्षेत्रीय विधायक श्री कृपाशंकर आर्य जी का।

विद्यालय की स्थापना 1976

उत्तर प्रदेश एवं बिहार के सीमांचल पर अवस्थित ग्राम सभा गौरी इब्राहिम में भारतीय गणतंत्र दिवस की रजत जयन्ती के शुभ अवसर पर 26 जनवरी 1976 ई. को विद्यालय की स्थापना की गयी। प्रस्तावित स्थल पर वृक्षारोपण एवं शिक्षण व्यवस्था की अहं कार्यवाहियां पूरी हुई।

संकट की घड़ी

विद्यालय स्थापना के उपरान्त कुछ वर्षो तक नियमित पढ़ाई का कार्य हुआ, परन्तु बीच में आर्थिक संकटों, विवादों एवं संघर्षो के फलतः संचालन एवं पठन-पाठन के क्रम में बाधायें उपस्थित हुई। यह अनिश्चितता का क्रम काफी लम्बे समय तक चला। आपसी सूझबूझ एवं संघर्षो के बाद मई 1982 के आस-पास विद्यालय का संकट दूर हुआ।

विद्यालय का पुर्नजीवन एवं विधिवत शुभारम्भ वर्ष 1982

उलझनों और विवादों के समय अनेक बार ऐसा लगा कि विद्यालय अब अन्तिम सांसे ले रहा है, ऐसी स्थिति में विद्यालय को सर्वोत्तम विद्यालय बनाने का स्वप्न भी अधूरा रहा। ऐसी कठिन अवधि में प्रबन्ध समिति के सदस्यों ने अदम्य साहस से कार्य करके विद्यालय को संकट से मुक्ति दिलायी। जिसकी बदौलत विद्यालय अपनी शैक्षिक परम्परा और मर्यादा बनाये रखने मे समर्थ हुआ।

संकट से मुक्ति के उपरान्त लोकनायक शिक्षण संस्थान का विधिवत शुभारम्भ शिक्षण सत्र 1982-83 से हुआ। सत्र 1984-85 में जूनियर हाईस्कूल का स्थायी मान्यता एवं शिक्षण आदेश उप शिक्षा निदेशक गोरखपुर से प्राप्त हुआ।

लोकनायक शिक्षण संस्थान की प्रगति एवं विस्तार

प्रबन्ध समिति के महत्वपूर्ण प्रयासों और सक्रिय योगदान के फलस्वरूप लोकनायक शिक्षण संस्थान ने काफी प्रगति की है। प्राकृतिक रूप से सुरम्य वातावरण व पर्यावरण सुविधाओं के चलते विद्यालय का क्षेत्र में अपना एक विशिष्ट स्थान है। वर्तमान में विद्यालय की चार शाखा कार्यरत है।

लोकनायक प्राथमिक पाठशाला, गौरीनगर

यू डायस कोड - 09591007004

शिशु से पंचम तक की मान्यता वर्ष 1978-79 में शिक्षा अधिकारी देवरिया से प्राप्त हुआ। शिशुओं की शिक्षा उपयुक्त माहौल में प्रदान की जाती है।

लोकनायक कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, गौरीनगर

विद्यालय कोड - 781098

यू डायस कोड - 09591007002

षष्टम् से दशम् तक बालिकाओं के शिक्षण की अलग व्यवस्था है। विद्यालय अपना भवन, प्रसाधन आदि सुविधाओं से युक्त है। हाईस्कूल स्तर तक की मान्यता शासन द्वारा सत्र 2002-2003 मे मिला।

लोकनायक इण्टरमीडिएट कालेज, गौरीनगर

विद्यालय कोड - 781068

यू डायस कोड - 09591007003

इस संस्था द्वारा कक्षा 6 से 12वीं (इण्टर) तक की सह-शिक्षा प्रदान किया जाता है।

लोकबन्धु बाबूराम महाविद्यालय, गौरीनगर

कालेज कोड - 569

शिक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत संचालित यह विद्यालय क्षेत्र की गौरव गरिमा का एक समर्थ पड़ाव है। वर्तमान में कला वर्ग के सात विषयों में दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्धता है।

मान्य वर्ग एवं विषय

हाईस्कूल

अनिवार्य विषय : हिन्दी, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत, गणित, विज्ञान, गृहविज्ञान, वाणिज्य (कामर्स), चित्रकला, कृषि विज्ञान, कम्प्यूटर

इण्टरमीडिएट

(क) साहित्य वर्ग : हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, नागरिक शास्त्र, शिक्षा शास्त्र समाज शास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान।

(ख) वाणिज्य वर्ग : सा० हिन्दी, अंग्रेजी, बहीखाता तथा लेखा शास्त्र, अर्थशास्त्र व्यवसायिक अध्ययन एवं कम्प्यूटर।

(ग) विज्ञान वर्ग : सा० हिन्दी, अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित।

बी.ए./स्नातक

(घ) कला संकाय : हिन्दी, अंग्रेजी, समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र, शिक्षा शास्त्र मध्यकालीन इतिहास, गृह विज्ञान।

परिचय पत्र

विद्यालय द्वारा छात्र को परिचय पत्र देने का प्रावधान है। विद्यालय के किसी भी अध्यापक/कर्मचारी द्वारा परिचय पत्र मांगने पर उसे तुरन्त प्रस्तुत करना अवश्यक है। परिचय-पत्र विद्यालय में सदैव अपने साथ रखना अनिवार्य होगा, अन्यथा विद्यालय में प्रवेश वर्जित होगा। गुम होने पर दूसरी प्रति रू. 30/- नगद कार्यालय में जमा करके ले सकते है।

पुस्तकालय/वाचनालय

विद्यालय में निर्धन छात्रों को पुस्तकें प्रदान की जाती है। वाचनालय में सुसज्जित व्यवस्था नही है। फिर भी विद्यालय में समाचार पत्र एवं अन्य पत्रिकायें आती है। इस वर्ष एक बृहद पुस्तकालय एवं वाचनालय की योजना क्रियान्वित होनी है।

गणवेश

1. विद्यालय में प्रत्येक छात्र/छात्रा को गणवेश में आना अनिवार्य है।
2. छात्राओं हेतु गणवेश - गुलाबी (पिंक) रंग का समीज/कुर्ती, सफेद रंग का सलवार एवं सफेद रंग का सूती दुपट्टा, नेवी ब्लू कलर का स्वेटर/ब्लेजर, काला जुती एवं सफेद मोजा।
3. छात्रों हेतु गणवेश - गुलाबी (पिंक) रंग का पूरी बाह का कमीज/शर्ट, स्लेटी रंग का फुल पैण्ट एवं नेवी ब्लू कलर का स्वेटर/ब्लेजर, काला जुता एवं सफेद मोजा/जुराब है।

विद्यालय का समय

समस्त छात्र/छात्राओं का शिक्षण कार्य प्रातः 9:30 बजे से अपराह्न 4 बजे तक सम्पन्न होगा।

अनुशासन

1. विद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने के दिन से ही संस्थान के नियम एवं सिद्धांतो का अक्षरशः पालन करना अनिवार्य है। इसके अभाव में छात्र/छात्रा को किसी भी समय विद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।
2. विद्यालय में समय का विशेष महत्व है, विद्यालय में समय पर आने से ही प्रवेश सम्भव है।
3. प्रार्थना सभा में उपस्थित होना, कक्षा में प्रवेश करना, प्रयोगशाला में प्रवेश आदि सभी के पूर्ण अनुशासन का पालन करना आवश्यक है।
4. विद्यालय द्वारा समय-समय नयी-नयी जानकारियां एवं नियम का भी पालन करना अनिवार्य है।
5. विद्यालय परिसर में मोबाईल फोन का उपयोग करना या लाना पूर्णतया वर्जित है। पकड़े जाने पर मोबाईल फोन जब्त कर लिया जायेगा।

अनुशासन जीवन की कुंजी है, अनुशासित व्यक्ति ही जीवन में उन्नति कर पाता है। इस विद्यालय के छात्र/छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि वे यहाँ के नियमों, परम्पराओं, विधानों का समुचित ढंग से पालन करेंगे। विद्यालय में अनुशासन सीखें ज्ञानार्जन करें। चरित्रवान एवं संस्कारित मनुष्य बनें, यही विद्यालय का लक्ष्य है।

खेल-कूद

विद्यालय के प्रांगण में विशाल क्रीडास्थल है, जहाँ विभिन्न प्रकार के खेलों की समुचित व्यवस्था है। खेल कूद के कौशल दिखलाने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

साईकिल स्टैण्ड

विद्यालय मे साईकिल स्टैण्ड के लिए एक निर्धारित स्थल है। छात्रों को चाहिये कि साईकिल स्टैण्ड पर ही रखें। साईकिल गायब हो जाने की जिम्मेदारी विद्यालय की नही होगी।

चिकित्सा सुविधा

विद्यालय में आकस्मिक रूप से बीमार हो जाने पर या अन्य घटना की दशा में विद्यालय की ओर से अधिकृत चिकित्सक डा0 ध्रुव कुशवाहा द्वारा प्राथमिक उपचार की व्यवस्था है।

समारोह/उत्सव

विद्यालय में निम्न उत्सव परम्परागत उल्लास के साथ मनाये जाते है।

1. स्वतंत्रता दिवस
2. गणतंत्र दिवस/स्थापना दिवस
3. वार्षिक क्रीड़ा समारोह
4. गांधी जयन्ती
5. इण्टरमीडिएट के छात्रों का विदाई समारोह

छात्रवृत्ति सुविधा उपलब्ध

विद्यालय में प्रवेश के पश्चात सभी छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति सुविधा प्रदान की जाती है।

परीक्षा

1. विद्यालय में मासिक परीक्षा प्रत्येक विषय की ली जाती है। ताकि कक्षा में छात्र/छात्रायें शिक्षा के प्रति नियमित जागरूक रहें।
2. नवीन सत्र अप्रैल माह से प्रारम्भ होने के कारण अर्द्धवार्षिक परीक्षा अक्टूबर के अन्तिम सप्ताह में सभी कक्षाओं की सम्पन्न करा ली जाती है।
3. कक्षा 10 और 12 के छात्र/छात्राओं की प्री-बोर्ड परीक्षा बोर्ड परीक्षा शुरू होने के 10 दिन पूर्व कराने की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है।
4. कक्षा जूनियर एवं 9वीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षा माह मार्च के अंतिम चरण में सम्पन्न कर कक्षा प्रोन्नति का अवसर दिया जाता है।

प्रतियोगिता

छात्रों के व्यक्तित्व विकास करने के लिए विद्यालय में वाद-विवाद, विचार विनियम तथा व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। ताकि छात्र-छात्रायें प्रगतिशील गणतन्त्र में रचनात्मक योगदान दे सकें। इनमें विजयी छात्र-छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिये जाते है।

1. हिन्दी वाद-विवाद
2. चित्रकला
3. वादन
4. स्वर गायन
5. अंग्रेजी वाद-विवाद

विद्यालय में निम्न कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के उत्साह वर्द्धन हेतु संपादित होता है।

स्काउट गाईड प्रशिक्षण– परिवार एवं समाज के प्रति प्रेम एवं सेवा भाव प्रदर्शित करने के लिए प्रेरणादायक कार्यक्रम का संचालन होता है।

संस्थापक स्मृति समारोह– प्रत्येक वर्ष 20 सितम्बर को विद्यालय की नींव डालने वाले स्व. बाबूराम सिंह कुशवाहा मुखिया जी की स्मृति पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होता है।

शिक्षा अभिभावक सम्मेलन– विद्यालय में शिक्षकों एवं अभिभावकों में सामंजस्य स्थापित करने हेतु गोष्टी सम्पन्न किया जाता है।

विद्यालय वार्षिक समारोह– इस अवसर पर छात्र-छात्राओं की विदाई के समय पुरस्कार वितरण किया जाता है।

गणतंत्र दिवस समारोह

मा. विधायक तमकुहीराज श्री अजय कुमार 'लल्लू' द्वारा सम्बोधन

इण्टर कालेज कैम्पस

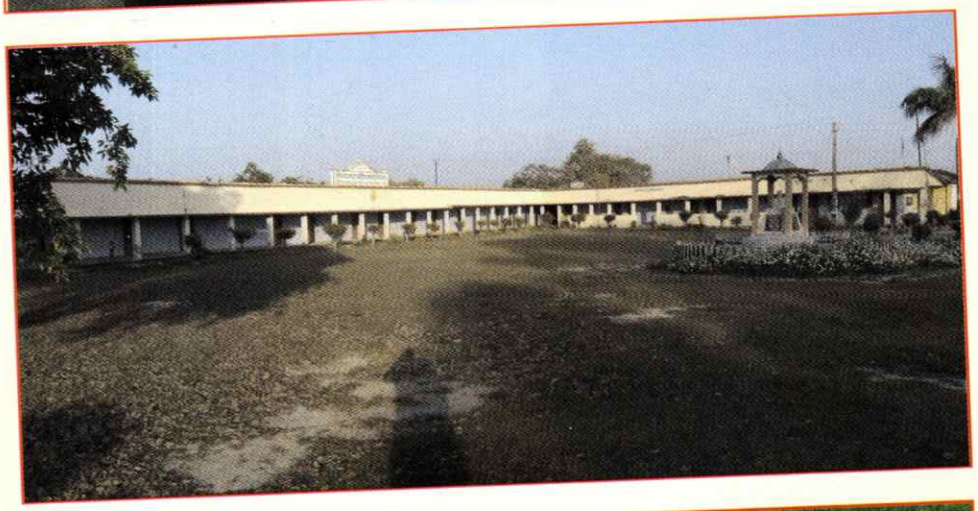

कन्या विद्यालय कैम्पस

प्रबंध समिति

1.	श्री पंकज आर्य	अध्यक्ष
2.	श्री सिराज अहमद	उपाध्यक्ष
3.	श्री महेन्द्र प्रताप कुशवाहा	प्रबंधक
4.	श्री विजयेन्द्र प्रताप कुशवाहा	उप प्रबंधक
5.	श्री नथुनी प्र० कुशवाहा	मंत्री
6.	श्री भुआल प्र० कुशवाहा	उपमंत्री (पदेन)
7.	श्री अजय कुमार	सदस्य
8.	डॉ० अभय कुमार	सदस्य
9.	डॉ० अजीत कुमार	सदस्य
10.	मु० अली	सदस्य
11.	श्री मनोज	सदस्य
12.	श्री कृष्णकान्त	सदस्य
13.	शिक्षक प्रतिनिधि	सदस्य

प्रशासनिक उत्तरदायित्व

अनुशासन समिति
1. श्री ब्यास शर्मा
2. श्री अखिलेश कुशवाहा

विज्ञान प्रगति
1. श्री शिवनारायण आर्य
2. जनाब मुस्तफा अली

हिन्दी वाद-विवाद
1. श्री भिखारी प्रसाद
2. श्री अमीर यादव

सम्पत्ति सुरक्षा/स्टाफ चेकिंग
1. श्री अखिलेश कुशवाहा
2. श्री अमीर यादव

सांस्कृतिक कार्यक्रम
1. श्री मोतीलाल खरवार
2. श्री अशोक कुमार सिंह

निर्माण एवं वित्तिय प्रगति
1. श्री भुआल प्र० कुशवाहा
2. श्री अजय कुमार कुशवाहा

अंग्रेजी वाद-विवाद
1. श्री ब्यास शर्मा
2. श्री मोतीलाल प्रसाद

खेलकूद एवं रख-रखाव
1. श्री अखिलेश कुशवाहा
2. श्री अशोक कुमार

संस्थान की विशेषताएं

1. भारतीय संस्कृति पर आधारित सर्वांगीण विकाश मूलक आधुनिक शिक्षा व्यवस्था।
2. प्रखर देशभक्ति के संस्कार पूर्ण उत्तम चरित्र निर्माण पर बल।
3. नैतिक शिक्षा के विकास पर बल व अभिरूचियों का सम्यक विकास।
4. उपकरण युक्त- भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, भूगोल प्रयोगशाला।
5. वर्ष में कम से कम 180 दिन का अध्यापन।
6. विद्यालय के शिक्षण कार्यकाल में बाहरी आगन्तुकों के प्रवेश पर पूर्णतया प्रतिबन्ध।
7. स्वच्छ एवं हवादार कक्ष, शिक्षणेत्तर क्रिया कलापों की व्यवस्था।

अनुशासन समिति

विद्यालय में पढने वाले सभी छात्र छात्राओं से अपेक्षा रखी जाती है कि विद्यालय के कार्यक्रम में उत्तम अनुशासन एवं उत्तम आचरण रखें।

छात्रहित की दुष्टि से एक अनुशासन समिति का गठन किया गया है। प्राक्टर समिति के संयोजक है, छात्रों को चाहिए कि वे अपनी समस्याओं एवं कठिनाईयों के निराकरण हेतु प्राक्टर से सम्पर्क करें।

महत्वपूर्ण पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र

- निर्धन एवं मेघावी छात्र को अधिक सहायता प्रदान करें।
- खेलकूद में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिया जाता है।
- श्री महेन्द्र प्रताप कुशवाहा द्वारा अपनी माँ स्व. गौरी देवी की स्मृति में 501 रूपया नगद अथवा हाईस्कूल में प्रथम स्थान पाने वाले छात्र को बुक एड दी जाती है।
- श्री विजयेन्द्र प्रताप कुशवाहा द्वारा अपने स्व. पिता श्री बाबूराम कुशवाहा के नाम पर मेघावी छात्र को 501 रू0 प्रदान किया जाता है।

आवश्यक निर्देश एवं नियम

छात्र को उपर्युक्त नियम/निर्देशों के अतिरिक्त प्रार्थना स्थल पर अन्य निर्देश भी दिया जाता है, जिसका पालन करना छात्रों के लिए अनिवार्य होता है।

विद्यालय में उपस्थिति पर विशेष ध्यान दिया जाता है। जिस छात्र की कक्षा में उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम होती है तो उसे अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा से वंचित कर देने का प्रावद्यान है।

लोकनायक विद्यालय परिवार

1.	श्री भुआल प्रसाद कुशवाहा	बी.एस.सी., एम.ए., बी.एड.	प्रधानाचार्य
2.	श्री भिखारी प्रसाद	एम.ए., बी.एड.	प्रवक्ता-हिन्दी
3.	श्री मोतीलाल प्रसाद	बी.ए., बी.एड.	संस्कृत/अंग्रेजी
4.	श्री शिवनारायण प्रसाद	बी.एस.सी.	जीव विज्ञान
5.	श्री ब्यास शर्मा	एम.ए., बी.एड.	अंग्रेजी
6.	श्री अमीर यादव	एम.ए., बी.एड.	समाजशास्त्र
7.	श्री अजय कुमार कुशवाहा	एम.काम., एम.ए., बी.एड.	वाणिज्य/शिक्षा शास्त्र
8.	श्री अशोक कु० सिंह	एम.ए., बी.एड.	सा० विज्ञान
9.	जनाब मुस्तफा अली	बी.एस.सी., बी.एड.	रसायन विज्ञान
10.	श्री अखिलेश कुशवाहा	एम.ए.,आई.जी.डी.बाम्बे आर्ट	हिन्दी/कला
11.	श्री प्रमोद कुशवाहा	एम.काम	वाणिज्य
12.	श्री भुखल प्रसाद	एम.ए.	अंग्रेजी
13.	श्री एस०पी० वर्मा	बी.एस.सी., बी.एड.	विज्ञान
14.	श्री अमलेश कुमार	एम.ए.	भूगोल
15.	श्री मन्तोष मिश्र	एम.ए., बी.एड.	अंग्रेजी
16.	श्री राहूल शर्मा	बी.एस.सी.	भौतिक विज्ञान
17.	श्री सुमेश्वर मिश्रा	एम.ए.	हिन्दी
18.	श्री राजेन्द्र प्र० कुशवाहा	इण्टर	लिपिक
19.	श्री मोती पटेल	पांचवी पास	परिचारक
20.	श्री ब्रह्मदेव कुशवाहा	पांचवी पास	परिचारक
21.	श्री बाबुनन्द पाल	स्नातक	प्राथमिक शिक्षक
22.	श्री मनीष पटेल	स्नातक	प्राथमिक शिक्षक
1.	श्रीमती जायत्री गुप्ता	एम.ए., बी.एड.	प्रधानाचार्य/कन्या
2.	श्री शीला चौबे	बी.ए.,आई.जी.डी. बाम्बे आर्ट	स०अध्यापक
3.	श्री शत्रुघ्न प्रसाद	एम. ए.,आई.जी.डी. बाम्बे आर्ट	स० अध्यापक
4.	श्री विन्तोष पटेल	हाईस्कूल	परिचारक
5.	श्री प्रभुनाथ गोड़	पांचवीं पास	सफाईकर्मी

इण्टर कालेज परिसर

इण्टर कालेज गेट

कन्या उ.मा. वि. गेट

प्रशासनिक भवन

प्रिन्ट प्वाइन्ट, नाथानी गली, सेवरही मो.: 8707700151